काया कैसे रोई तज दिना प्राण देसी भजन लिरिक्स

तज दिना प्राण,
काया कैसे रोई,
काया है निर्मोई।bd।

मैं जाण्यो काया सगं चलेगी,
इण तो काया ने मलमल धोई रे,
तज दिना प्राण,
काया कैसे रोई,
काया है निर्मोई।bd।

तज दिना मन्दिर महल मालिया,
गाय भैंस घर घोडी रे,
घर कि नार बिलखती छोडी,
छोड चल्या वे सारस कि सी जोडी रे,
तज दिना प्राण,
काया कैसे रोई,
काया है निर्मोई।bd।

चार जणा मिल गजी बणाई,
चढ्या काठ की घोडी रे,
जाय जंगल में डेरा दिना,
फूंक दिया ज्यों फागुन कि होली रे,
तज दिना प्राण,
काया कैसे रोई,
काया है निर्मोई।bd।

घर कि त्रीया यूँ उठ बोली,
बिछुड गई मारी जोडी रे,
भवानी नाथ बैरागी बोल्या,
जिन जोडी दाता पल माही तोडी रे,
तज दिना प्राण,
काया कैसे रोई,
काया है निर्मोई।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तज दिना प्राण,
काया कैसे रोई,
काया है निर्मोई।bd।

प्रेषक – रामानन्द प्रजापत जूसरी
9982292201

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com